# आप  कौन हैं ?

आप समग्र अस्तित्व के एकमात्र साक्षी हैं।
आप हमेशा के लिए स्वतंत्र हैं।
यह नहीं देखना वो ही आपका एकमात्र बंधन है।

आप आनंद हैं।
आप पूर्ण हैं।
आप सर्वव्यापक हैं।
यह पूरा प्रतीत हो रहा ब्रह्माण्ड आप में है, आप हैं।

आप शुद्ध चेतना हैं।
आप सहज, अपरिवर्तनीय, अनाकार हैं।

आप पूजा से परे हैं।
आप अविकारी शाश्वत हैं।
आप सदा सर्वत्र हैं।

आप पूर्ण हैं।
चूंकि आप समष्टि है और सब आप में हैं,
आप न तो स्वीकार करते हैं और न ही त्याग देते हैं,
न तो इच्छा करते हैं ,न ही स्वच्छंदता।
आप असीम महासागर,
अनंत अंतरिक्ष, असीमित और अपरिमित हैं।

इस दुनिया के क्षणिक लीला में
आप कालातीत, शाश्वत साक्षी हैं।

आप स्वयं परम हैं।
आप केवल एक ही हैं,
क्योंकि कोई दूसरा है ही नहीं।